HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

S.B. Civil Miscellaneous Appeal No. 2087/2022

Anurag Enterprises, Having Its Head Office At III-H-1, Rakesh Marg, Nehru Nagar, Ghaziabad-201001 (U.p.) Through Its Partner/authorized Signatory Ved Vashistha Site Office- Anurag Homes, V.b. Marg, S-11, C.C.-9, Fort Road, Neemrana Distt. Alwar-301705, Rajasthan. At Present Through Authorised Partner Mr. Ishwar Sharma, S/o Mr. V.n. Sharma, Aged About 60 Years R/o III-H-1, Rakesh Marg, Nehru Nagar, Ghaziabad-201001 (U.p.).

----Appellant

Versus

Mohsin Ahmed S/o Shri Mobin Ahmed, R/o Ward No. 10, Udaipurwati, Jhunjhunu (Raj.) Presently Residing At House No. 13, Chandabari, Udhyog Nagar, Jhotwara, Jaipur.

----Respondent

Connected With

S.B. Civil Miscellaneous Appeal No. 2086/2022

Anurag Enterprises, Through Partner Mr. Ishwar Dayal Sharma, V.B. Mart, S-11, CC-9, Fort Road, Neemrana, District Alwar. At present residing of R/o III-H-1, Rakesh Marg, Nehru Nagar, Ghaziabad-201001 (U.p.).

----Appellant

Versus

Mohsin Ahmed S/o Shri Mobin Ahmed, R/o Ward No. 10, Udaipurwati, Jhunjhunu (Raj.) Presently Residing At House No. 13, Chandabari, Udhyog Nagar, Jhotwara, Jaipur.

----Respondent

For Appellant(s)	:	Mr. Ajatshatru Mina, Adv. Mr. Abhinav Jaimini, Adv. Ms. Khushi Chirania, Adv.
For Respondent(s)	:	None present

HON'BLE MR. JUSTICE UMA SHANKER VYAS

Judgment / Order

27/02/2026

विद्वान अधिवक्ता अपीलार्थी का निवेदन है कि रेरा, जयपुर द्वारा उनके विरूद्ध पारित निर्णय की पुष्टि रेरा अपीलेट ट्रिब्युनल, जयपुर द्वारा की गयी

थी, जिसके विरूद्ध ये अपील पेश की गयी हैं। इस न्यायालय के आदेश दिनांक 04.02.2023 की पालना में रेरा के समक्ष बैंक गारण्टी प्रस्तुत की गयी थी, लेकिन अब प्रत्यर्थी से राजीनामा होकर जो भी राशि अदा करनी थी, वह अदा की जा चुकी है। अतः ऐसी स्थिति में अपीलार्थी अब इन अपीलों को चलाना नहीं चाहते हैं और उक्त दोनों अपीलों में आवेदन 01/2025 प्रस्तुत कर अपील विड्रो किये जाने का निवेदन किया।

प्रत्यर्थी पक्ष की ओर से कोई उपस्थित नहीं है।

दोनों पक्षों के बीच हुए राजीनामा की फोटोप्रति प्रस्तुत की गयी है जिसे अभिलेख पर रखा जाता है। इस प्रकार उक्त दोनों अपीलें अपीलार्थी द्वारा वापिस लिये जाने के आधार पर निस्तारित की जाती हैं।

अपीलार्थी द्वारा रेरा के समक्ष जो बैंक गारण्टी प्रस्तुत की गयी हैं, वह वापिस अपीलार्थी प्राप्त करने का अधिकारी है।

स्थगन आवेदन भी उक्त प्रकार से निस्तारित माने जाते हैं।

(UMA SHANKER VYAS),J

Mittal /90 & 92